



## बगि टेक कंपनियों द्वारा प्रतस्पर्द्धा-रोधी अभ्यास

### प्रलिस के लयि:

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI), संसदीय स्थायी समति, व्यवस्थति रूप से महत्त्वपूर्ण डजिटल मध्यस्थ, फनिटेक, प्रतस्पर्द्धा संशोधन वधियक, 2022, भारतीय प्रतस्पर्द्धा आयोग (CCI)

### मेन्स के लयि:

बगि टेक कंपनियों द्वारा प्रतस्पर्द्धा-रोधी अभ्यास

## चर्चा में क्यों?

कुछ स्टार्ट-अप्स ने इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) पर छोटी कंपनियों की तुलना में बगि टेक कंपनियों का पक्ष लेने का आरोप लगाया है, जो बगि टेक कंपनियों द्वारा प्रतस्पर्द्धा-रोधी अभ्यास के मुद्दे पर प्रकाश डालती है।

- IMAI सोसायटी अधनियम, 1896 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी औद्योगिकि नकिय है। इसका जनादेश ऑनलाइन और मोबाइल मूल्यवर्द्धति सेवा क्षेत्र का वसितार एवं वृद्धिकरना है।

## बगि टेक (Big Tech):

- 'बगि टेक' शब्द का उपयोग वैश्विक स्तर पर महत्त्वपूर्ण कुछ चुनदि प्रौद्योगिकि कंपनियों, जैसे- गूगल, फेसबुक, अमेज़न, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट के लयि कयिा जाता है।
- कंपनियों के एक स्थरि समुच्चय के बजाय बगि टेक को एक अवधारणा के रूप में बेहतर समझा जाता है। नई कंपनियँ इस श्रेणी में उसी तरह प्रवेश कर सकती हैं जैसे मौजूदा कंपनियँ इससे बाहर हो सकती हैं।

## पृष्ठभूमि

- वतित पर संसदीय स्थायी समति ने बगि टेक कंपनियों द्वारा प्रतस्पर्द्धा-रोधी अभ्यास को रोकने के लयि नए नयिमां को प्रस्तावति कयिा।
  - इनमें पूर्व नयिम शामिल थे जसिमें कंपनियों को कुछ अभ्यासों में संलग्न होने और बगि टेक कंपनियों को व्यवस्थति रूप से महत्त्वपूर्ण डजिटल मध्यस्थों (SIDI) के रूप में नामति करने से पहले अभ्यास के कुछ मानकों का पालन करने की आवश्यकता होती है।
  - SIDI अपने राजस्व, बाज़ार पूंजीकरण और सक्रयि उपयोगकर्त्ताओं की संख्या के आधार पर डजिटल पारस्थितिकि तंत्र में प्रतस्पर्द्धा को नकारात्मक रूप से प्रभावति करने की क्षमता वाली अग्रणी संस्था होगी।
- हालाँकि IMAI ने तर्क दयिा कयिे नयिम नवाचार और प्रतस्पर्द्धा को रोक सकते हैं।
  - इसके सदस्यों में मेटा, एप्पल, अमेज़न, ट्विटर और गूगल जैसी अन्य बगि टेक कंपनियँ ने भी इसी तरह की टपिणयिँ प्रस्तुत कीं।
- इस कदम ने कुछ भारतीय स्टार्ट-अप्स की आलोचना की है, जनिहोंने IMAI पर वदिशी बड़ी टेक कंपनियों के पक्ष में वधिारों को बढ़ावा देने और डजिटल इकोसिस्टम में प्रतस्पर्द्धी आचरण को प्रभावति करने का आरोप लगाया है।

## भारत के डजिटल स्पेस में बगि टेक की भूमिका:

- राजस्व स्रोत: वे फनिटेक बाज़ार में, जो राजस्व का एक आकर्षक स्रोत है (वशिष रूप से भारत में प्रतस्पर्द्धा वजिज्ञापन राजस्व कम होने के कारण), एक प्रमुख भूमिका नभिता है।
- साक्षरता से जुड़ी बाधाओं को दूर करना: बगि टेक कंपनियँ द्वारा नए उपयोगकर्त्ताओं तक पहुँच बनाने और साक्षरता से जुड़ी बाधाओं को दूर करने के लयि वॉइस-बेसड और कषेत्रीय भाषा इंटरफेस की पेशकश की जा रही है।

- **अवसंरचनात्मक और रोजगार अंतराल को दूर करना:** नए कारोबार के कार्यक्षेत्र वेयरहाउसिंग, वितरण सुविधाएँ और रोजगार अवसर प्रदान करने के रूप में मौजूदा अवसंरचनात्मक एवं रोजगार अंतराल को दूर करते हुए भारत को **अपने घरेलू बाजारों की बेहतर सेवा करने में मदद कर रहे हैं।**
- **सामाजिक और राजनीतिक प्रगत:** अधिकांश भारतीय इंटरनेट उपयोगकर्त्ता सूचनाओं तक पहुँच बनाने, संवाद करने और राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में भागीदारी करने के लिये **एक या एक से अधिक बगि टेक प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं।**
  - यह **मुक्त भाषण के संवैधानिक अधिकार** के प्रयोग का भी लोकतंत्रीकरण कर रहा है।

## बगि टेक डजिटल पारस्थितिकी तंत्र में प्रतस्पर्द्धात्मक आचरण का प्रभाव:

### ▪ अधगिरहण और वलिय:

- वलिय नयितरण नियमों के अधीन हुए बना अत्यधिक **मूल्यवान स्टार्ट-अप खरीदने वाली बड़ी फर्म**ें डजिटल बाजारों में एक समस्या है।
- इस समिति ने कहा कि **CCI (भारतीय प्रतस्पर्द्धा आयोग)** कुछ वलिय और अधगिरहण पर कब्ज़ा करने में सक्षम नहीं है क्योंकि **विह संयोजन के लिये आवश्यक संपत्ति एवं टर्नओवर की सीमा को पूरा नहीं करता है।**

### ▪ स्व-अधमिन:

- स्व-अधमिन तब होता है **जब कोई कंपनी अपनी सेवाओं या अपनी सहायक कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर बढ़ावा देती है, जबकि उसी प्लेटफॉर्म पर अन्य सेवा प्रदाताओं के साथ प्रतस्पर्द्धा भी करती है।**
  - उदाहरण के लिये कोई कंपनी किसी एप स्टोर में अपने स्वयं के एप्लीकेशन को रैंकिंग में प्राथमिकता दे सकती है। तटस्थता की यह कमी अन्य व्यवसायों को नुकसान पहुँचा सकती है और उनके लाभ को कम कर सकती है।

### ▪ प्रयुक्त आँकड़े:

- डजिटल कंपनियों ग्राहकों के ऐसे आँकड़ों को एकत्र करती हैं जो **उन्हें लाभ प्रदान करते हैं, जिससे नई कंपनियों के लिये प्रतस्पर्द्धा करना कठिन हो सकता है।**
- हालाँकि ग्राहकों को **ट्रैक करने के लिये इन आँकड़ों का दुरुपयोग भी किया जा सकता है।**

### ▪ तृतीय-पक्ष को प्रतर्बिंधि करना:

- कुछ कंपनियों अपने **प्लेटफॉर्म पर थर्ड-पार्टी एप्लीकेशन के उपयोग को प्रतर्बिंधि** करती हैं, जो उपयोगकर्त्ता की पसंद को सीमिति कर सकती हैं।
  - उदाहरण के लिये एक ऑपरेटिंग सिस्टम उपयोगकर्त्ताओं को अपने स्वयं के अतरिकित किसी एप्लीकेशन की सेवाओं का **उपयोग करने से रोक सकता है, जैसे कि Apple किसी भी तृतीय-पक्ष एप्लीकेशन को आई-फोन पर स्थापति करने की अनुमति नहीं देता है।**

### ▪ संलग्नता:

- डजिटल फर्म कभी-कभी ग्राहकों को उनके **मुख्य उत्पाद से संबंधित अतरिकित सेवाओं को क्रय करने के लिये मजबूर करती हैं, जो प्रतस्पर्द्धा को न्यूनतम रखने के साथ साथ मूल्य निर्धारण वषिमता उत्पन्न करती है।**

### ▪ एंटी-स्टीयरिंग:

- **व्यापार उपयोगकर्त्ताओं को अन्य विकल्पों का उपयोग करने से रोकने** के लिये संस्थाओं द्वारा एंटी-स्टीयरिंग प्रावधानों का उपयोग किया जाता है, जिससे प्रतस्पर्द्धा में कमी आती है।
  - उदाहरण के लिये एप्लीकेशन स्टोर अपने स्वयं के भुगतान सिस्टम के उपयोग को अनविर्य करते हैं। इन क्रयियों का परिणाम प्रतस्पर्द्धा-विरधी बहिष्करण जैसी क्रयियों के रूप में होता है।

## बगि टेक को वनियमिति करने हेतु भारत का वर्तमान दृष्टिकोण:

- **प्रतस्पर्द्धा अधिनियम, 2002:** भारत में अवशिवास संबंधी मुद्दे प्रतस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 द्वारा शासित होते हैं, जबकि **CCI एक अधिकार प्रथाओं पर जाँच करता है।**
  - वर्ष 2022 में CCI ने 'प्रतस्पर्द्धात्मक वरिधी प्रथाओं' हेतु कई बाजारों में अपनी प्रमुख स्थितिका दुरुपयोग करने के लिये Google पर 1,337.76 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया।
- **प्रतस्पर्द्धा संशोधन वधियक, 2022:** सरकार ने प्रतस्पर्द्धा संशोधन वधियक, 2022 में प्रतस्पर्द्धा कानून में संशोधन प्रस्तावति किया है। वधियक को अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई है।
  - CCI यह आकलन करने हेतु आवश्यकताओं को निर्धारति करने के लिये वनियमि तैयार करेगा कि क्या किसी उद्यम का भारत में पर्याप्त

व्यावसायिक संचालन है।

- यह आयोग की मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार करेगा, विशेष रूप से डिजिटल और बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों में जहाँ अधिकांश मामलों का पहले खुलासा नहीं किया गया था क्योंकि संपत्ति या टर्नओवर राशिमूल्य क्षेत्राधिकार सीमा आवश्यकताओं से कम हो गई थी।

## आगे की राह

- वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति बिना टर्नओवर वाले डिजिटल मार्केटप्लेस की विशेषताओं को समायोजित करने के लिये सौदे के मूल्य पर आधारित एक प्रणाली का सुझाव देती है।
- वह यह भी अनुशंसा करती है कि डिजिटल सेवाएँ प्रदान करने वाली अथवा डेटा एकत्र करने वाली संस्थाओं से संबंधित किसी भी संकेंद्रण को कार्यान्वयन से पहले CCI को सूचित किया जाना चाहिए, चाहे वह अधिसूचना के निर्दिष्ट सीमा के अनुरूप हो अथवा न हो।
- सरकार को इंटरनेट जागरूकता को बढ़ावा देने के लिये पर्याप्त कदम उठाने की आवश्यकता है, जैसेकिसी भी लेन-देन से पहले वेबसाइटों की प्रामाणिकता की जाँच करना और अनधिकृत अनुप्रयोगों तक पहुँच प्रदान न करना।

## स्रोत: द द्रिष्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/anti-competitive-practices-by-big-tech-companies>

